

The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur): (a) Rs. 7,84,915 during 1953-54.

(b) Yes. No separate record is maintained for these exemptions. Approximately in ten cases surcharge has been waived on careful consideration.

TRANSPORT FACILITIES FOR NORTH BIHAR

***52. Shri Bibhuti Mishra:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether any conference was convened at New Delhi on the 25th May, 1954 to consider the needs of North Bihar in respect of transport, movement of wagons etc.;

(b) the main features of the decisions arrived at and how far they have been implemented; and

(c) whether the quantities of coal and cement transported to North Bihar have increased after the conference?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): (a) Yes. On 25th May 1954, a meeting was held in the Railway Board's office with the representatives of the Bihar and the Uttar Pradesh States and of the North Eastern, Northern and Eastern Railways, to review the position in respect of movement of traffic originating on the Broad Gauge for destinations on the Metre Gauge North Eastern Railway, particularly to North Bihar and Uttar Pradesh.

(b) and (c). A statement is laid on the Table of the House. [See Appendix I, annexure No. 17.]

श्री बिभूति मिश्र : क्या सरकार नार्थ बिहार में सीमेंट, कोयला, चूना और लोहे की कमी को पूरा करने के लिये पटना में डीघा घाट के पास पीपे का पुल बनाने की बात सोच रही है ?

रंलबे तथा परिवहन मंत्री (श्री एल० बी० शास्त्री) : ज़ाह्री एंसा तो विचार नहीं हैं, लेकिन हमने बिहार गवर्नमेंट से कहा है कि हम उन्हें

सब सहूलियत देने को तैयार हैं बशर्ते कि वह नाव के जरिये और अपनी प्राइवेट एंजनीसी से कोयला बगैरह ले जाने का इन्तज़ाम करें ।

श्री बिभूति मिश्र : जब तक यह इन्तज़ाम नहीं होता तब तक केंद्रीय सरकार नार्थ बिहार में सरकार की पंचवर्षीय योजना और उस के अन्दर होने वाले और और कामों के लिये सीमेंट, कोयला, लोहा आदि का क्या प्रबन्ध सांच रही है ?

श्री एल० बी० शास्त्री : जो कान्फरेंस रांची में हुई थी उस में बहुत सी चीजों के बारे में बात चीत हुई थी और यह फ़ैसला हुआ कि हम ऐसे काम करेंगे जिस में कि उन की योजना के काम में कोई रुकावट नहीं आवेगी, मिसाल के लिये हम ने मंडवा डीह में खास इन्तज़ाम किया है । जहां पहले सिर्फ मंडवा में ६० वी० जी० वॉगन काम करते थे वहां अब उन की तादाद ९० या इस से भी अधिक पहुंच गई है । हम ने तारीघाट और गाजीपुर के बीच रोपवेज बनाने का भी फ़ैसला किया है । इस के लिये जांच पड़ताल हो रही है । इस के अलावा हम ने बिहार गवर्नमेंट से यह भी कहा है कि जो फ़ैरी हमारी इस वक्त काम कर रही है और जो बैराजेज हैं जिस पर कि वॉगन्स लाये जाते हैं वह हम पर बिहार गवर्नमेंट को देंगे । हम नये बनवा लेंगे और इस के लिये ६ मील की लाइन बनाना है । इसे भी मंजूर कर लिया गया है । इस तरह से उम्मीद है कि ट्रांसपोर्ट की कोई दिक्कत या कठिनाई नहीं पड़ेगी ।

पंडित डी० एन० तिवारी : क्या इस प्रस्ताव पर सरकार ने विचार किया है कि मुकामाघाट में जो रेलवे के लिए कोयले का ट्रांशिपमेंट होता है उसका कुछ अंश पब्लिक का कोयला ट्रांशिप करने के लिये भी रखने की इजाजत दी जाय ?

श्री एल० बी० शास्त्री : हम अपना तो कर नें तब पब्लिक का करेंगे ।